

आच्छादी वि. (तत्.) ढकने वाला, आच्छादन करने वाला।

आच्छेद पुं. (तत्.) 1. काटना, थोड़ा सा काटना, काट-छाँट 2. बलपूर्वक पृथक करना।

आच्छेदन पुं. (तत्.) दे. आच्छेद।

आच्छोटन पुं. (तत्.) चुटकी बजाना, उँगली चटकाना।

आच्छोदन पुं. (तत्.) शिकार, मृगया या आखेट करना।

आछी वि. (देश.) अच्छी, भली, मन को भानेवाली।

आछे-काछे क्रि.वि. (देश.) ठीक तरीके से, व्यवस्थित ढंग से **वि.** अच्छे कपड़े पहनने वाला, सुंदर, सुडौल।

आज क्रि.वि. (तद्.) 1. वर्तमान दिन 2. इस वक्त, इस समय **पुं.** (तत्.) वर्तमानकाल प्रयो. आज के नेता, अपना स्वार्थ साधने में लगे हैं।

आजकल क्रि.वि. (देश.) इन दिनों मुहा. आजकल करना (आज देने की, कल देने की बात करके) टालमटोल करना प्रयो. जब भी मैं उधार दिए हुए पैसे वापस माँगता हूँ वह आजकल करता रहता है।

आजगर वि. (तत्.) अजगर संबंधी, अजगर के समान।

आजगव पुं. (तत्.) शिव का धनुष, पिनाक।

आजन्म क्रि.वि. (तत्.) 1. जन्म भर तक 2. जीवन भर प्रयो. इस उपकार के लिए मैं आजन्म आपका ऋणी रहूँगा।

आज़म वि. (अर.) 1. महान 2. प्रधान।

आजमाइश स्त्री. (फा.) प्रयोग करके आजमाने की क्रिया, परीक्षा, परख, जाँच।

आज़माइशी वि. (अर.) 1. जिसकी परीक्षा की जाए 2. जिसमें परीक्षा करने की योग्यता हो।

आजमाना स.क्रि. (फा.) परीक्षा करना, इस्तेमाल करना, परखना, जाँच करना प्रयो. दवा पर भरोसा न हो तो दो खुराक आजमा कर देख लो।

आजमूदा वि. (फा.) परीक्षित, आजमाया हुआ।

आज से क्रि.वि. (तद्.) अब से, आज की तारीख से प्रयो. आज से मेरी बात ध्यान से समझ लो।

आजा पुं. (तद्.) (आर्य) पितामह, दादा

आजाद वि. (फा.) 1. स्वतंत्र, स्वाधीन 2. मुक्त, बरी 3. बेपरवाह 4. निडर, बेधड़क 5. स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर का उपनाम।

आज़ाद ख्याल वि. (फा.) [आज़ाद+ख्याल] स्वतंत्र विचारों वाला, मुक्त चिंतक, जिस के भावों पर अन्य लोगों का प्रभाव न्यूनतम होता है।

आज़ादगी स्त्री. (फा.) 1. स्वतंत्रता, स्वाधीनता 2. मुक्ति 3. बेधड़कपन।

आज़ाद मिज़ाज वि. (फा.) मस्तमौला, स्वेच्छाचारी, मन में जो आए, वह सब करने, कहने वाला।

आज़ादाना क्रि.वि. (फा.) आजाद की तरह, स्वतंत्रतापूर्वक, आजादी से।

आजादी स्त्री. (फा.) 1. स्वतंत्रता, स्वाधीनता 2. मुक्ति 3. निरंकुशता।

आज़ादी पसंद वि. (फा.) उन्मुक्त, स्वतंत्रता पसंद करने वाला, स्वच्छंदता-प्रेमी।

आजान पुं. (तत्.) 1. जन्म, उत्पत्ति 2. जन्मस्थल 3. जन्म का कारण 4. वंश **क्रि.वि.** आदि से, सृष्टि काल से **वि.** अनजान, न जाननेवाला।

आजानदेव पुं. (तत्.) सूक्ष्म शरीर वाले जीव, जो विश्व-संचालन में देवता की भूमिका निभाते हैं। इनकी शक्ति तप और योग के आधार पर अन्य जीवों से श्रेष्ठ होती है।

आजानि स्त्री. (तत्.) 1. माता, जननी 2. जन्म 3. वंश, अच्छा वंश।

आजानु वि. (तत्.) घुटने तक, जाँघ तक (लंबा)।

आजानुबाहु वि. (तत्.) जिसकी भुजाएँ घुटने तक लंबी हों **टि.** आजानुबाहु के रूप में विख्यात- रामचंद्र, अर्जुन, कर्ण, विशेष रूप से धनुर्धारियों के लिए प्रयुक्त होता है।

आज़ार पुं. (फा.) 1. रोग, बीमारी, व्याधि 2. कष्ट, पीड़ा।